	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
[illegible]22	पत्रावली आज पेश हुई। अभिभाषक वादी उपस्थित । पूर्वानुसार पत्रावली दिनांक 16/3/22 को पेश हो।	
26/8/22	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी मुख्यालय से बाहर है पूर्वानुसार दिनांक 2/5/22 को पेश हो	
2/5/22	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी मुख्यालय से बाहर है पूर्वानुसार दिनांक 20/6/22 को पेश हो	
20/6/22	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी मुख्यालय से बाहर है पूर्वानुसार दिनांक 25/7/22 को पेश हो	
25/7/22	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक वादी उपस्थित। तलबाना पेश करने हेतु अन्तिम अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक 31/8/22 को पेश हो	
31/8/22	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी अन्य कार्य में व्यस्त है। पूर्वानुसार दि 2/11/22 को पेश होवे	
2/11/22	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी मुख्यालय से बाहर पूर्वानुसार दि. 2/1/23 को पेश हो	
2/1/23	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक वादी उपस्थित नहीं। वादी स्वयं उसके अभिभाषक को पूर्व में तलबाना	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर अहकाम हुक्म के ... में जा...
	पेश करने हेतु कई अवसर दिये जाने के बावजूद तलबाना पेश नहीं किया गया। ऐसी स्थिति में वादी का वाद पत्र Non compliance में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो दाखिल दफ्तर हो।	

vivo V30 | AURA LIGHT
Tariq Anwar

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
25/8/22	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक उभयपक्ष उपस्थित। जवाब पेश करने हेतु अन्तिम अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक 29/9/22 को पेश हो।	
29/9/22	पत्रावली आज पेश हुई। अभिभाषक उभयपक्ष। जवाब पेश करने हेतु अन्तिम अवसर दिया जाकर पत्रावली दिनांक 30/11/22 को पेश हो।	
30/11/22	पत्रावली पेश हुई पीठासीन अधिकारी मुख्यालय से बाहर। अतः दि. 27/1/23 को पेश हो।	
27/1/23	पत्रावली आज पेश हुई। अभिभाषक प्रार्थी उपस्थित नहीं। बार-बार कई अंतरालों में प्रार्थी एवं उसके अभिभाषक को कई बार आवाज दिलवाई गई। बार-बार आवाज दिलवाने के बावजूद प्रार्थी एवं उसके अभिभाषक न्यायालय हाजा में उपस्थि	

vivo V30 | AURA LIGHT
Tariq Anwar

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तार अहकाम जो हुक्म की ताम में जारी हु
	आये। ऐसी स्थिति में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र अ० दा० अ० पै० में खारिज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो दाखिल दफ्तर हो।	

vivo V30 | AURA LIGHT

Tariq Anwar